Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ महाशिवरात्रि चार प्रहर की पूजा ॥

॥ ॐ नमः शिवाय ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ रात की पूजा की तैयारी ॥

महाशिवरात्रि में शिवजी की रात्रि पूजा का विशेष स्थान है। सूर्यास्त से सूर्योदय तक की रात को चार भागों या प्रहरों में बाँटकर चार बार पूजा की जाती है। प्रत्येक प्रहर का समय शहर और वर्ष के अनुसार बदलता है; स्थानीय पंचांग से समय देखें।

सामान्य पूजा सामग्री

शिवलिंग, स्वच्छ जल, बेलपत्र, फूल, अक्षत, चंदन, धूप, दीपक, फल और नैवेद्य रखें। घर की परंपरा हो तो थोड़ी मात्रा में दूध, दही, घी और मधु भी रख सकते हैं। सामग्री की मात्रा से अधिक स्वच्छता और श्रद्धा पर ध्यान दें।

संध्या का संकल्प

स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनें। पूजा स्थान साफ करें और गणेशजी का स्मरण करके शिव-पार्वती को प्रणाम करें। अपनी क्षमता के अनुसार उपवास, रात्रि जागरण और पूजा का संकल्प लें। दीपक सुरक्षित स्थान पर रखें।

हर प्रहर में शिवलिंग पर अर्पण के बाद बेलपत्र या पुष्प चढ़ाएँ, “ॐ नमः शिवाय” का जप करें और प्रार्थना करें। शिवजी के चित्र के सामने पूजा कर रहे हों तो चित्र पर तरल पदार्थ न डालें; जल का प्रतीकात्मक अर्पण करें।

HarGharPanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ चारों प्रहर का सरल क्रम ॥

प्रथम और द्वितीय प्रहर

पहले प्रहर में जल से अभिषेक करें, बेलपत्र चढ़ाएँ और शिव नाम का जप करें। दूसरे प्रहर में कुछ परंपराओं के अनुसार दही से अभिषेक होता है; उसके बाद स्वच्छ जल अर्पित करें। सरल घरेलू पूजा में दोनों बार केवल जल भी चढ़ा सकते हैं।

तृतीय और चतुर्थ प्रहर

तीसरे प्रहर में परंपरा के अनुसार थोड़ी मात्रा में घी से और चौथे में मधु से अभिषेक किया जाता है। हर बार अंत में जल से शुद्ध करें। बेलपत्र, पुष्प, दीप, मंत्रजप और शिव-पार्वती से मंगल प्रार्थना करें।

निशीथ काल और जागरण

रात के मध्य का निशीथ काल भी शिव पूजा के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। चार बार पूजा संभव न हो तो स्थानीय निशीथ समय में एक बार सरल पूजन किया जा सकता है। भजन, कथा-पाठ और शांत ध्यान से जागरण करें; स्वास्थ्य के कारण विश्राम आवश्यक हो तो करें।

मंदिर में अभिषेक और सामग्री संबंधी स्थानीय नियम मानें। शिवलिंग पर चढ़ाई गई सामग्री व्यवस्थित रखें और जल या दूध व्यर्थ न बहाएँ। किसी विशिष्ट सामग्री को हर परिवार के लिए अनिवार्य न समझें।

॥ ॐ नमः शिवाय ॥